

हिन्दी विभाग

विश्व हिन्दी दिवस : 10 जनवरी 2025

10 जनवरी 2025 को हिंदौ विभाग में विश्व हिंदौ दिवस मनाया गया। दिवस का मुख्य विषय - "मेरा प्रिय साहृत्यकार" था। विभागाध्यक्ष हिंदौ डॉ रमेश टडन के संयोजन एवं देशा निदेशन में मचासीन छात्रों ने मा शारदे को पूजा की। देवलता साहू और डिगेश्वरी दशेन ने छत्तीसगढ़ी राज्य गोत्र को प्रस्तुति दी, स्वागत उपरात डॉ आर के टडन ने यूरोशीय, भारोपीय, भारतीय आये भाषा, वैदिक संस्कृत, लौकिक संस्कृत, शौरशनी अपभ्रंश, पाश्चमी हिंदौ से खड़ी बालों हिंदौ को यात्रा को विस्तार से बताया। विश्वष्ट आतोथ तोष कुमारी साहू सूरदास के बारे में मुख्यरत हुई। विश्वष्ट आतोथ जीतू जोशी ने हिंदौ को विश्व पटल पर स्थापित करने में काये जा रहे प्रयास पर प्रकाश डाला। वक्ता कौशल दास ने विश्व स्तर पर हिंदौ को स्थापित पर चिता व्यक्त करते हुए अब्दिजी को स्थापित को भी रेखांकित किया। अध्यक्ष को आसदों से उमा साहू ने छात्रों को सबोधित करते हुए ओधक से ओधक हिंदौ भाषा को व्यवहार में लाने की बात कही। मुख्य आतोथ के रूप में छात्रा डिगेश्वरी दशेन ने छात्रों को सबोधित करते हुए कबीरदास के बारे कहा कि ऐसी वाणी बोलेए मन का आपा खोय, औरन को शोतल करे आप ही शोतल होय। साथ ही सुश्री दशेन ने हिंदौ के महत्व और उपर्योगेता पर प्रकाश डाला। मच सञ्चालन करते हुए यामेनी राठोर ने कहा कि संस्कृत से जन्मी हैं हिंदौ, शुद्धता का प्रतीक हैं हिंदौ, लेखन और वाणी दोनों को गौरवान्वित करती हैं हिंदौ। एम ए प्रथम सेमेस्टर को छात्र डिलेश्वरी साहू ने मचासीन छात्रों का आभार व्यक्त किया।

कुती सेदार, नेशा सेदार, राजकुमारी सेदार, पुष्पा नागवशी, विनायक पटेल, कौशल दास के व्यवस्थापन में आयोजित कायेक्रम के दौरान विभागीय एवं अन्य छात्रों पुष्पा नागवशी, मनोज कुमार बैगा, कौशल दास, विनायक पटेल, नेशा सेदार, कुती सेदार, राजकुमारी सेदार, देवलता साहू, डिगेश्वरी दशेन, काविता यादव, रेशमा महंत, सध्या जायसवाल, अंजुलता, शिवानी, प्रीति राठेया, नमेदा राठेया, डिलेश्वरी साहू, तोष कुमारी साहू, उमा साहू, जीतू जोशी, सुनेता राठेया और यामेनी राठोर आदि को सोक्रेय उपास्थिति रहे।









10/01/2025 13:01



GPS Map Camera

Kharsia, Chhattisgarh, India

X4h6+gww, Thakurdiya, Kharsia, Chhattisgarh 496661,
India

Lat 21.978776° Long 83.11242°

10/01/25 12:39 PM GMT +05:30



कालेज में विश्व हिंदी दिवस आयोजित

अमृत संटेपा | खरासिया

10 जनवरी को हिंदी विभाग में विश्व हिंदी दिवस मनाया गया। दिवस का मुख्य विषय मेरा प्रिय साहित्यकार था, विभागाध्यक्ष हिंदी डॉ. रमेश टंडन के संयोजन एवं दिशा निर्देशन में मंचासीन छात्रों ने माँ शरदे की पूजा की, देवलता साहू और डिलेश्वरी दर्शन ने छनीसगढ़ी राज्य गीत की प्रस्तुति ही, स्वागत उपरांत डॉ. आर के टंडन ने यूरोशिया, भारोपीय, भारत ईशानी, भारतीय आर्य भाषा, वैदिक संस्कृत, लौकिक संस्कृत, शैरीशनी अपध्याय, पश्चिमी हिंदी से खड़ी बोली हिंदी की यात्रा को विस्तार में बताया, विशिष्ट अतिथि तोष कुमारी साहू, सुरदास के बारे में मुख्यरित हुई, विशिष्ट अतिथि जीतू जोशी ने हिंदी को विश्व पटल पर स्थापित करने में किये जा रहे प्रयास पर प्रकाश ढाला, वक्ता कौशल दास ने विश्व स्तर पर हिंदी को स्थिति पर चिंता



प्रहलाद बंसल

व्यक्त करते हुए अंग्रेजी की स्थिति को भी रेखांकित किया, अध्यक्ष की आसंदी से उमा साहू ने छात्रों को संबोधित करते हुए अधिक से लाने की बात कही, मुख्य अतिथि के रूप में छात्रा डिलेश्वरी दर्शन ने छात्रों को संबोधित करते हुए कवीरदास के बारे कहा कि ऐसी वाणी बोलिए मन का आप खोय, औरन को शोतल करे आप ही शोतल होय, साथ ही सुश्री दर्शन ने हिंदी के महत्व और उपरोगिता पर

प्रकाश ढाला, मंच संचालन करते हुए यामिनी राठौर ने कहा कि संस्कृत से जन्मी है।

हिंदी, शुद्धता का प्रतीक है हिंदी, लेखन और वाणी दोनों को गोरखानिल करती है हिंदी, एम ए प्रथम सेमेस्टर की छात्र डिलेश्वरी साहू ने मंचासीन छात्रों का आभार व्यक्त किया।

कृती सिद्धार, निशा सिद्धार, राजकुमारी सिद्धार, पुष्पा नागवंशी, विनायक पटेल, कौशल दास के व्यवस्थापन में आयोजित कार्यक्रम

के दौरान विभागीय एवं अन्य छात्रों पुष्पा नागवंशी, मनोज कुमार बैगा, कौशल दास, विनायक पटेल, निशा सिद्धार, कृती सिद्धार, राजकुमारी सिद्धार, देवलता साहू, डिलेश्वरी दर्शन, कविता यादव, रेशमा महेत, संध्या जायसवाल, अंजुलता, शिवानी, प्रीति राठिया, नर्मदा राठिया, डिलेश्वरी साहू, तोष कुमारी साहू, उमा साहू, जीतू जोशी, सुनिता राठिया और यामिनी राठौर आदि को सक्रिय उपस्थिति रही।

महात्मा गांधी कॉलेज में विश्व हिंदी दिवस आयोजित

खरसिया। 10 जनवरी को हिंदी विभाग में विश्व हिंदी दिवस मनाया गया। दिवस का मुख्य विषय मेरा प्रिय साहित्यकार था, विभागाध्यक्ष हिंदी डॉ. रमेश टंडन के संयोजन एवं दिशा निर्देशन में मंचासीन छात्रों ने मां शारदे को पूजा की। देवलता साहू और डिगेश्वरी दर्शन ने छत्तीसगढ़ी राज्य गीत की प्रस्तुति दी, स्वागत उपरांत डॉ. आरके टंडन ने यूरेशिया, भारोपीय, भारत ईरानी, भारतीय आर्य भाषा, वैदिक संस्कृत, लौकिक संस्कृत, शौरशेनी अपभ्रंश, पश्चिमी हिंदी से खड़ी बोली हिंदी की यात्रा को विस्तार से बताया। विशिष्ट अतिथि तोष कुमारी साहू सूरदास के बारे में मुख्यरित हुई। विशिष्ट अतिथि जीतू जोशी ने हिंदी को विश्व पटल पर स्थापित करने में किये जा रहे प्रयास पर प्रकाश डाला।

बक्ता कौशल दास ने विश्व स्तर पर हिंदी की स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए अंग्रेजी की स्थिति को भी रेखांकित किया। अध्यक्ष की आसंदी से उमा साहू ने छात्रों को संबोधित करते हुए अधिक से अधिक हिंदी भाषा को व्यवहार में लाने की बात कही। मुख्य अतिथि के रूप में



छात्र डिगेश्वरी दर्शन ने छात्रों को संबोधित करते हुए कबीरदास के बारे कहा कि ऐसी बाणी बोलिए मन का आपा खोय, औरन को शीतल करे आप ही शीतल होय। साथ ही सुश्री दर्शन ने हिंदी के महत्व और उपयोगिता पर प्रकाश डाला। मंच संचालन करते हुए यामिनी राठौर ने कहा कि संस्कृत से जन्मी है हिंदी, शुद्धता का प्रतीक है हिंदी, लेखन और बाणी दोनों को गौरवान्वित करती है हिंदी। एम ए प्रथम सेमेस्टर की छात्र डिलेश्वरी साहू ने मंचासीन छात्रों का आभार व्यक्त किया। कुंती सिदार, निशा सिदार, राजकुमारी सिदार, पुष्पा नागवंशी, विनायक पटेल, कौशल दास के व्यवस्थापन में आयोजित कार्यक्रम के दैरण विभागीय एवं अन्य छात्रों पुष्पा नागवंशी, मनोज कुमार बैगा, कौशल दास, विनायक पटेल, निशा सिदार, कुंती सिदार, राजकुमारी सिदार, देवलता साहू, डिगेश्वरी दर्शन, कविता यादव, रेशमा महंत, संध्या जायसबाल, अंजुलता, शिवानी, प्रीति राठिया, नर्मदा राठिया, डिलेश्वरी साहू, तोष कुमारी साहू, उमा साहू, जीतू जोशी, सुनीता राठिया और यामिनी राठौर आदि की सक्रिय उपस्थिति रही।